खबर संक्षेप

अधिग्रहित भूमि पर कब्जा के विषय में विस्तृत ली जानकारी

मण्डला। कलेक्ट्रेट के गोलमेज में चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ लम्बित बिन्दुओं को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने प्रभावित परिवारों का ब्याज सहित पूरक अवार्ड पारित करने, गोंझी में निर्मित आवासीय कॉलोनी की मरम्मत एवं आवश्यकतानुसार नए निर्माण, टाटीघाट के 70 परिवारों का भू-अर्जन अवार्ड, दोहरे विस्थापन, वन अधिकार पत्र धारकों के मामले, मानेगांव पूरक अवार्ड पारित करने, ग्राम कुंडा के तीन परिवारों के पूरक अवार्ड, मकान अलॉटमेंट, मकान के एग्रीमेंट तथा अधिग्रहित भूमि पर कब्जा के विषय में विस्तृत जानकारी ली। उक्त विषयों पर चुटका परमाणु परियोजना के अधिकारियों तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डीएफओ श्री नित्यानंदन एल, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, संयुक्त कलेक्टर श्री सीएल वर्मा, एसडीएम निवास शाहिद खान, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, चुटका परमाणु विद्युत परियोजना के अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित थे।

महिष्मति सर्व ब्राम्हण समाज बिछिया की कार्यकारणी का हुआ गठन

भुआबिछिया। महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज, बिछिया की बैठक विगत दिनों श्री राममंदिर भुआ में रखी आयोजित हुई, जिसमें समाज की कार्यकारिणी का संपूर्ण गठन किया गया। महिष्मति सर्व ब्राह्मण समाज, बिछिया के समस्त वरिष्ठ संरक्षक गणों के मार्गदर्शन में वरिष्ठ विप्रों की कार्यकारिणी के अध्यक्ष पंडित रजनीश पाण्डेय , कोषाध्यक्ष पं. जितेंद्र दीक्षित, बिछिया से उपाध्यक्ष पं. पुरुषोत्तम शुक्ला, घुटास से उपाध्यक्ष पं. राजेंद्र शुक्ला, सिझौरा से उपाध्यक्ष पं. वीरेंद्र अग्निहोत्री, कार्यक्रम प्रबंधक पं. दीपक कटारे, सचिव पं. विवेक कुमार पाण्डेय एवं सहसचिव पं. दिनेश पांडेय नियुक्त किए गए। इसी प्रकार युवा विप्रों की कार्यकारिणी में अध्यक्ष पंडित दीपक पाण्डेय, बिछिया से उपाध्यक्ष पं. विनय पाण्डेय, घुटास से उपाध्यक्ष पं. आशीष शुक्ला, सिझौरा से उपाध्यक्ष पं. ज्ञानेंद्र शुक्ला एवं मीडिया प्रभारी पं. आशुतोष तिवारी नियुक्त किए गए। इनकी नियुक्ति से ब्राम्हण समाज में हर्ष व्याप्त हैं।

दिन में साहसिक खेल, रात में सजेगी सुरों की महफिल

झील महोत्सव पर्यटन एवं रोमांच का संगम

*** जबलपुर पुरातत्व पर्यटन संस्कृति परिषद का आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जबलपुर बरगी बांध पुनः जल, थल और नभ पर होने वाले साहसिक खेलों का साक्षी बनेगा। 29 मार्च से 13 अप्रैल तक मंडला जिले के विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम देवरी-बकई में होने वाले झील महोत्सव में स्लिंग शॉट, वाटर पैरा सेलिंग, सर्फिंग जैसे साहसिक खेल होंगे, वहीं शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) और जबलपुर पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद (जेएटीसीसी) के आयोजन में पर्यटक नाइट वाटर सफारी का आनंद क्रूज पर उठा सकेंगे। महोत्सव में राजस्थान, महाराष्ट्र के कलाकार लोक नृत्य की प्रस्तुति देंगे, वहीं नगर व अन्य राज्यों के कलाकार सुगम और शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति करेंगे। एक घंटे के नौका विहार के दौरान नगर के बैंड और अन्य संगीत समूह संगीत की महफिल सजाएंगे। पर्यटकों के ठहरने के लिए अमेरिकन स्विस टेंट भी लगाए जा रहे हैं। देवरी बकई के नर्मदा व्यू के निकट आयोजित कार्यक्रम में बॉलीवुड और दक्षिण भारत के सिने स्टार शिरकत करेंगे। महोत्सव को राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए फिल्म निर्माता और बियोंड स्टूडियोज के एमडी भारत भूषण ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है। महोत्सव का डिजाइन और एग्जिक्यूशन वह कर रहे हैं। जेएटीसीसी के सीईओ हेमंत सिंह ने बताया कि झील महोत्सव के वाटर स्पोर्टस और कल्चरल प्रोग्राम का फ्यूजन पर्यटकों को आकर्षित करने वाला बनाया गया है। महोत्सव राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएगा। बियोंड स्टूडियोज के एमडी भारत भूषण ने बताया कि इस महोत्सव की कार्ययोजना ही इस प्रकार बनाई गई है कि इसमें भाग लेने के लिए देशभर के लोग आएं, यहां लोगों के आनंद के लिए समुद्र तटों पर होने वाली अनोखी राइड्स के अलावा महोत्सव के पूरे क्षेत्र को फुटफाल बढाने के लिहाज से तैयार किया जा रहा है।

मंडला कलेक्टर और एसपी ने किया आयोजन स्थल का दौरा

झील महोत्सव मंडला जिले की सीमा के अंतिम गांव देवरी बकई के नर्मदा व्यू में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम स्थल का दौरा बीते दिन मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने एसपी रजत सकलेचा सहित जिले के कई अधिकारियों के साथ किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, जेएटीसीसी के सीईओ हेमंत सिंह, पर्यटन प्रबंधक तरुण मिश्रा, बियोंड स्टूडियोज के एमडी भारत भूषण, एसडीएम निवास शाहिद खान आदि उपस्थित थे।

क्रूज पर नाइट सफारी और हाउस बोट का आनंद उठाएंगे लोग

झील महोत्सव के दौरान बरगी बांध पर दो क्रूज चलाई जाएंगी जो पर्यटकों को एक घंटे बांध में नौकाविहार कराएंगी। इस दौरान नगर के कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। क्रूज पर भोजन की भी व्यवस्था की जाएगी। जलविहार के क्रम में एक हाउस बोट बरगी बांध में उतारा जाएगा जो पर्यटकों को अलग अनुभव कराएगा।

नक्सली मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, दो समर्थक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

थाना खटिया क्षेत्र के कान्हा नेशनल पार्क के पास पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक नक्सली मारा गया, जबकि अन्य घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। इस दौरान पुलिस ने दो नक्सली समर्थकों को भी गिरफ्तार किया है।

सर्च ऑपरेशन और मुठभेड़ का घटनाक्रम

8 मार्च 2025 को पुलिस को सूचना मिली थी कि कान्हा-भोरमदेव डिवीजन के नक्सलियों का एक समूह इलाके में सक्रिय है। इसके आधार पर हॉक फोर्स ने क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान जानकारी मिली कि दो स्थानीय व्यक्तियों को नक्सलियों द्वारा धनराशि दी गई थी, जिससे उन्होंने राशन खरीदा था। यह भी सूचना मिली कि 9 मार्च 2025 को एक विशेष स्थान पर नक्सलियों को यह सामग्री सौंपी जाएगी।

पुलिस ने रणनीतिक रूप से घटनास्थल पर एंबुश लगाया। कुछ घंटे बाद 18-सक्रसली, जिनमें कुछ वर्दी में और कुछ सादे कपड़ों में थे, हथियारों के साथ वहां पहुंचे। जब नक्सली राशन लेकर वापस जाने लगे, तब सुरक्षा बलों ने उन्हें आत्मसमर्पण करने को कहा, लेकिन उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षार्थ हॉक जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक नक्सली मारा गया, जबकि बाकी घने जंगल में भागने में सफल रहे। मौके से पुलिस ने 315 बोर का हथियार भी बरामद किया है।

गिरफ्तार नक्सल समर्थक

1. अशोक कुमार वल्को (पिता तेजलाल वल्को, उम्र 28 वर्ष) - निवासी ग्राम बटवार, चौकी अंजनिया, थाना बम्हनी, जिला मंडला।
2. संतोष कुमार धुर्वे (पिता रामसिंह धुर्वे, उम्र 28 वर्ष) निवासी ग्राम सौतिया, थाना खटिया, जिला मंडला ।

मृत नक्सली की पहचान की जा रही है। साथ ही, संभावना है कि क्षेत्र में और भी नक्सली सक्रिय हो सकते हैं। इसको देखते हुए सीआरपीएफ और हॉक फोर्स द्वारा सघन सर्च ऑपरेशन जारी है।

कार्यालय नगर परिषद भुआ बिछिया, जिला मण्डला (म.प्र.)
थाने के सामने, मेन रोड भुआ बिछिया, जिला मण्डला, पिन कोड-481995 Tel. No. - 07648-232229 Fax No. - 07648-232550
E-mail : cmobichhiya@mpurban.gov.in Website: www.nagarparishadbhuabichhiya.com

क्रमांक. 975 / न. परि. / राजस्व / 2025 भुआ बिछिया, दिनांक. 07.03.2025

फीस वसूली ठेके पर दिये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद भुआ बिछिया द्वारा निम्न तालिका अनुसार मध्यप्रदेश नगरपालिका (अचल सम्पति का अतंरण) नियम 2016 एवं संशोधित नियम, मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल, दिनांक 04 मई 2021 में दिये गये प्रावधानों के तहत् वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु (01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक) 12 माह की अवधि के लिये बाजार फीस वसूली ठेके पर दिये जाने हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जा रही हैं । निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। नगर परिषद भुआ बिछिया में ई-निविदा दरें प्रस्तुत कर सकते हैं। अतिरिक्त जानकारी इस वेबसाईट पर टेण्डर डॉक्यूमेंट पर देखी जा सकती है, या नगर परिषद कार्यालय के राजस्व शाखा में उपस्थित होकर भी कार्यालयीन समय पर देखी जा सकती है।

निविदा आई.डी.	ठेके का नाम	आरक्षित मूल्य	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि
2025_UAD_407922_1	दैनिक एवं साप्ताहिक बाजार बैठकी ठेका	27,98,320	2,80,000	5000
2025_UAD_407923_1	बकरा-बकरी, मुर्गा-मुर्गी पंजीयन फीस वसूली ठेका	1,25,607	12,600	1000
2025_UAD_407924_1	पशु पंजीयन फीस वसूली ठेका	24,837	2500	1000
2025_UAD_407925_1	वाहन पार्किंग फीस वसूली ठेका	5,46,007	54,600	2000

शर्तें :- 1. प्रत्येक निविदाकार शासन द्वारा जारी केन्द्रीय पंजीकृत प्रणाली के पोर्टल की वेबसाईट में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिस नाम से आई. डी. होगी उसी नाम से निविदा ऑफर प्रस्तुत किया जावेगा। 2. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र दिनांक 07/03/2025 को 18:30 बजे से दिनांक 25/03/2025 को 17:30 बजे तक क्रय किये जा सकते हैं। 3. ऑनलाईन बिड (बोली) सबमिट करने की तिथि 25/03/2025 को 17:30 बजे तक है। 4. ई- निविदा दिनांक 27/03/2025 को 11:00 बजे से खोली जावेगी। 5. निविदा में संशोधन केवल वेबसाईट पर देख सकते हैं, अखबारों में इसका प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद भुआ बिछिया जिला मण्डला (म.प्र.)

श्री शांति नाथ मंदिर में रात्रि लगी इन्द्रों की सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

श्री शांति नाथ मंदिर जी में बाल ब्रह्मचारी अभय भैया जी के सानिध में चौसठ ऋद्धि और गणधर वलय विधान श्री सिद्धचक्र के साथ ही किसी ने उद्यापन किया तो किसी ने व्रत लिये रात्रि में सौधर्म इंद्र कुबेर इंद्र के साथ सभी इंद्रों की सभा लगी प्रश्नों की जिज्ञासा और समाधान सौधर्म इंद्र द्वारा किया गया पाठशाला के बच्चों ने भी अपना मंगलाचरण नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। साथ ही श्री ब्रह्मचारी अनुराग भैया जी के निर्देशन में चल रहा श्रमदान चल चरखा द्वारा निर्मित वस्त्र के कारीगरों का सम्मान भी समाज द्वारा किया गया। श्रावकों को भगवान की पालकी भी प्रदान की गई जिसने इसका सौभाग्य प्राप्त किया था। रात्रि मे स्व. श्री भागचंद जी जैन टेंट हाऊस समस्त परिवार द्वारा श्री भक्तामर जी का पाठ किया गया। पांचवा दिन भक्ति भाव से पूजन पाठ हुआ।

विडम्बना | **गरीबों को करते परेशान, पैसे वालों पर मेहरबान।**

समरथ को नहीं दोष गोसाईं

*** ट्रेक्टर पर प्रतिबंध क्या हाईवा भी बंद करायेंगे श्रीमान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पिछले दिनों हुई एक सड़क दुर्घटना में असमय ही नगर का एक प्रतिभाशाली युवक काल का शिकार हो गया। दुर्घटना के पीछे उस ट्रेक्टर चालक की गलती बताई जा रही है जो कि ट्रेक्टर के चालन के दौरान न केवल मोबाईल चला रहा था बल्कि ट्रेक्टर की गति भी संयमित नहीं थी घटना के बाद से सभी ट्रेक्टरों के संचालन को प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया। हालांकि इस निर्णय से उन मजदूरों एवं छोटे कामगारों का नुकसान हुआ जो ट्रेक्टर के संचालन पर ही निर्भर हैं। घटना का सभी को दुख है लेकिन घटना के बाद जो निर्णय लिया गया क्या उसे उचित माना जाये एक ट्रेक्टर चालक की गलती का खामियाजा सभी लोग भुगतें क्या इसे न्याय कहेंगे। होली जैसा त्यौहार सामने है और रोजाना के मजदूरों की मजदूरी खतरे में पड़ी है। वे ईट भट्टों के कारोबारी, गिट्टी, मुर्रम लगे मजदूर और इनके साथ प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोगों का रोजगार बंद हो चला है जहां-तहां जो निर्माण कार्य हो रहे थे वे भी प्रभावित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास का निर्माण भी बंद हो चला है। यदि इसी तरह के प्रतिबंधों से सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लग सकती है तो फिर राज्यमार्गो पर जो रोजाना दुर्घटनायें होती हैं उनको देखते हुये वाहनों के संचालन को भी प्रतिबंधित कर देना चाहिये।

यदि कोई चालक नियम नहीं मानता और गलती करता है तो उसे रोकना या उस पर कानूनी कार्यवाही करना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है लेकिन इन परिस्थितियों पर पहले अनदेखी करना और बाद में सभी को प्रताड़ित करना क्या सही है। पिछले दिनों इस तरह के फरमान से जहां ट्रेक्टर संचालन से जुड़े कारोबारी परेशान हैं तो वहीं प्रशासन के दूसरे फरमान ने जले पर नमक छिड़कने का काम कर दिया। पिछले दो दिनों से कुछ ट्रेक्टर शहर में निर्माण सामग्री परिवहन कर रहे हैं जिनके सामने एक बेनर लगा हुआ है 'शासकीय कार्य हेतु नगरपालिका मण्डला' अब क्या नगरपालिका प्रशासन इस बात की गारंटी देगा कि इस तरह के बेनर लगा देने से ट्रेक्टर के द्वारा कोई दुर्घटना संभव ही नहीं। क्या इस तरह की अनुमति मिलना अन्य ट्रेक्टर संचालकों के लिये भी सुलभ है और यदि नहीं तो फिर प्रशासन का यह दोहरा रवैया क्यों? आगे भी क्या इसी तरह से प्रशासन निर्णय लेता रहेगा और आने वाले समय में क्या ट्रेक्टर संचालन यूं ही बंद रहेंगे यदि नहीं तो फिर कैसें और क्यों चालू होंगे।

खबर संक्षेप

पूरा सत्र बीत जाने के बाद बच्चों को सुनाई नहीं पड़ी सी एटी केट, क्षेत्र में फनइन इंग्लिश योजना पर लगा ग्रहण..?

गाडरवारा। म.प्र. शासन की ओर से क्षेत्र में शालाओं के उन्नयन, स्कूलो में अध्यापन का वातावरण तैयार करने के लिए भले भारी भरकम रकम बहायी हो किन्तु हकीकत यह है कि क्षेत्र की अधिकांश शालाओं में शासन की मंशा के अनुरूप न तो पढ़ाई हो रही है और न ही शिक्षक इस बात को गंभीरता से सोच रहे है कि उन्हे भावी पीढ़ी का भविष्य संवारना है। नतीजतन क्षेत्र में प्रदेश सरकार की कई महत्वपूर्ण शिक्षा योजनाएँ बैसाखी के बल पर चलती दिखायी पड़ रही है। उल्लेखनीय है कि राज्य शिक्षा केन्द्र ने कुछ समय पहले शासकीय शालाओं में फन इन इंग्लिश कार्यक्रम की शुरूआत की थी जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलो में बच्चो को रेडियो के जरिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। उक्त कार्यक्रम के चलते क्षेत्र की शालाओं में रेडियो भी उपलब्ध कराये गए थें। वही बताया जाता है कि शुरूआती दौर में यह कार्यक्रम ठीक ठाक चला मगर बाद में बिजली की कटौती के बहाने के चलते शिक्षको ने रेडियो आलमारियों में रख दिए, जिससे आगे पाठ, पीछे सपाट की स्थिति निर्मित होने लगी और बच्चे अंग्रेजी ज्ञान से वंचित रह गए। इस योजना को लेकर क्षेत्र के अभिभावको का आरोप है अब तो बहुत सी शालाओं में रेडियो में बच्चो को सी एटी केट सुनने को भी नही मिल रहा है, फन इन इंग्लिश कार्यक्रम की समीक्षा न होने से सरकार का यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम सिमिट कर रह गया है और कुछ शालाएँ ऐसी भी है, जिनमें बच्चों को अंग्रेजी सिखानें आए रेडियो बिगड़ गए है और उन पर धूल की पर्तें चढ़ती जा रही है। ज्ञातव्य है कि शहरों में अंग्रेजी मीडियम स्कूलो की भरमार है, अंग्रेजी सिखानें के कोचिंग सेंटर भी बहुत है, जिनमें जाकर बच्चे सहज में अंग्रेजी सीख रहे है परन्तु क्षेत्र के गांवों में अभी ऐसी व्यवस्थाएँ न होने से बच्चो को अंग्रेजी का व्याकरण जानने में कठिनाई आ रही है। ऐसे में ग्रामों की शालाओं में फन इन इंग्लिश कार्यक्रम पर ग्रहण लगना शिक्षा योजनाओं के साथ छलावे की मिसाल मानी जा रही है और ग्रामों के अभिभावकों ने गुहार लगायी है कि उक्त कार्यक्रम को प्रभावी बनाने की दिशा में प्रशासन को शीघ्र पहल करना चाहिए। फन इन इंग्लिश कार्यक्रम संचालित होने में आ रही बाधाओं शिक्षा विभाग से जुडे अधिकारियों से सम्पर्क साधा गया तो उनका कहना था कि ग्रामीण इलाकों के छात्र छात्राओं को बदलते दौर में अंग्रेजी भाषा की जानकारी होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से राज्य शिक्षा केन्द्र ने गाँवो की शालाओं में फन इन इंग्लिश प्रोग्राम शुरू किया था, लक्ष्य था कि प्राइमरी स्तर पर जहां क्राइटेरिया अच्छा है वहां के बच्चे इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सके, हो सकता है कुछ स्कूलो के रेडियों बिगड़ गए हो, शालाओं के प्रबंधनों का दायित्व बनता है कि उन्हे कंजसटेंसी की राशि से सुधवाये और बच्चो को अंग्रेजी पढ़ने में सक्षम बनाएँ।

ब्राण्डेड कंपनी के मिलते जुलते सामानों की आई बहार, आमजन की जिन्दगी को बन रहा खतरा...?

गाडरवारा। मार्केट में इन दिनों डिब्बा बंद खाद्य पदार्थो की मांग खासी बढ़ गई है। क्योंकि खुले समान में शुद्धता की गारंटी नहीं होने और स्वास्थ्य पर पड़नें वाले प्रभाव के चलते लोग पैक आईटम की ओर आकर्षित होने से नही चुक पा रहे है, इसके चलते बाजार में नामी गिरामी कंपानियों की विभिन्न वैरायटी के प्रोडक्ट आ रहे है जो बच्चों से लेकर बड़ो तक की पसंद बन गए है। मगर गौर किया जावे तो बाजार में कंपनियों से मिलते जुलते ब्रांडों की भी बाढ आई हुई है, यह सेहत पर क्या असर डालेंगे। इस बारे में न तो दुकानदार जान रहा है और न ही खाद विभाग को इतनी फुर्सत है कि इनकी जांच करें? बस दुकानदार तो कमीशन अधिक होने के फेरे में इन्हे बेचने में रूचि दिखाते हुए दिखाई दे रहे है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई देने लगी है।

शासकीय चिकित्सालय क्षेत्र में बढ़ रहे अतिक्रमण को प्रशासन द्वारा किया जा रहा है नजर अंदाज
मनचलों की मनमानी के चलते मरीज व उनके परिजनों को करना पड़ता है परेशानियों का सामना

गाडरवारा।

नगर ही नही बल्कि गाडरवारा तहसील की सबसे बड़ा शासकीय चिकित्सालय इस समय अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझते हुये देखा जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के इस चिकित्सालय क्षेत्र में जिस प्रकार से अतिक्रमण का जाल फैला हुआ है उसके चलते यहां पर भर्ती रहने वाले मरीजों के साथ साथ चिकित्सालय को आने जाने वाली महिलाओं की सुरक्षा चिंता जनक स्थिति में दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? बताया जाता है कि यहां पर भर्ती रहने वाली मरीज जहां अपने आपकों को असुरक्षित महसूस करते हुये देखे जा रहे है तो कुछ इसी प्रकार का हाल चिकित्सालय में आने जाने वाली आम महिलाओं का भी देखने मिल रहा है..? क्योंकि शासकीय चिकित्सालय परिसर के ठीक सामने यानि की मुख्य मार्ग पर जिस तरह अतिक्रमण हो रहा है उसके चलते चिकित्सालय की सुरक्षा को तो ग्रहण लग ही रहा है साथ ही साथ यातायात व्यवस्था में भी बाधा पहुंचने से नही चूक पा रहा है। चिकित्सालय के सामने मुख्य मार्ग के किनारे पड़ी हुई शासकीय भूमि पर इस समय लोगो द्वारा रातो रात अतिक्रमण करते हुये उस पर अपना कब्जा जमाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के रिलायंस पेट्रोल पंप के पास भी देखा जा रहा है जहां पर हुआ अतिक्रमण पूर्णरूप से किसी बड़ी घटनाओं को आमंत्रण देते हुये दिखाई दे रहा है? मगर इसके बाद भी प्रशासन द्वारा इस समस्या को लेकर जिस प्रकार से चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते यहां की चिंता जनक स्थिति बनने से नही चूक रही है। यह बात अलग है कि बीते हुये वर्ष प्रशासन द्वारा इस अतिक्रमण को हटाते हुये तार बाड़ी कर दी गई थी। मगर अतिक्रमणकारियों के हौसले इतने बुलंद है कि उन्होंने उस तारबाडी को तोडकर अपनी दुकान फिर सजाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। इस तरह नगर के शासकीय चिकित्सालय के चारों ओर फैल रहे अतिक्रमण के चलते यह हाल बन चुका है कि मरीजों का चिकित्सालय के अंदर प्रवेश कर पाना मुश्किल होने लगा है। वही दूसरी ओर अनेक प्रकार की दुकानों के बाद यहां पर

अब अंडा सहित अन्य मांसाहारी सामग्री विक्रय होने वाही दुकानों का संचालन भी होने लगा है जिसके चलते देर रात तक यहां पर जहां जाम झलकते हुये भी दिखाई देने लगे है? प्रशासन की अनदेखी का परिणाम है कि देर रात तक चिकित्सालय क्षेत्र में मनचलों का जमावड़ा लगा रहने की स्थिति में शासकीय चिकित्सालय में भर्ती रहने वाली महिला मरीजों सहित अन्य मरीज अपने आपको पूर्णरूप से असुरक्षित महसूस करने के साथ साथ दहशत में दिखाई देने लगे है? यहां की सच्चाई पर यदि गौर किया जावे तो अतिक्रमण कारियों को प्रभावशाली लोगों के साथ साथ जिस तरह से प्रशासन का पूरा संरक्षण प्राप्त होने की सच्चाई इस बात से उजागर होते हुये जान पड़ रही है कि अतिक्रमणकारियों को जिस प्रकार से बिजली व नल कनेक्शन मिल रहे है वह निश्चित नियम के विपरित माने जाते है? जबकि नियम के अनुसार देखा जावे तो यदि किसी आम नागरिक को नपा से नल कनेक्शन व बिजली विभाग से बिजली कनेक्शन लेना होता है तो अनेक प्रकार से उसे अपने आवास या जमीन संबंधी दस्तावेज पेश करना पड़ते है और इसी के बाद बिजली तथा नल कनेक्शन मिल पाता है। मगर यहां पर अतिक्रमण कारियों की दुकानों से लेकर टपरों में बिजली मीटर सहित नल लगे हुये देखे जा रहे है वह निश्चित ही इस बात की सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रही है कि नपा व बिजली विभाग द्वारा सभी निमयों को दर किनार करते हुये इन्हे कनेक्शन देने में कोई कसर नही छोड़ी गई होगी..? यदि इन विभागों द्वारा अतिक्रमण कारियों को इन जरूरी सुविधाओं से बंचित रखा जाता तो निश्चित तौर से अधिक्रमण पर काफी हद तक अंकुश लग सकता था। मगर इन शासकीय संस्थाओं द्वारा अतिक्रमणकारियों को जरूरी सुविधाओं के लिये सहूलियत प्रदान की जा रही है उससे यह विभाग भी अतिक्रमण करने वालों के लिये संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देने से नही चूक रहे है? यहां पर हुये अतिक्रमण की सच्चाई को मीडिया द्वारा उजगार किये जाने के बाद बीते हुये साल प्रशासन द्वारा

अतिक्रमण हटाने को लेकर मुहिम चलाकर हटाया दिया गया था। मगर चंद दिनों के बाद यहां का हाल जैसे का तैसा दिखाई देने लगा है और दिनों दिन अतिक्रमण में हजाफा होते हुये देखने मिल रहा है। इस प्रकार से शासकीय चिकित्सालय के सामने खाली पड़ी हुई भूमि के आलवा चिकित्सालय परिसर में लगातार फैल रही अधिक्रमण के चलते जहां चिकित्सालय के मरीजों को तो परेशानियों का सामना करना ही पड़ रहा है साथ ही साथ यहां पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित होने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि शासकीय चिकित्सालय के सामना वाला मार्ग नगर का प्रमुख मार्ग माना जाता है। इस स्थिति में इस मार्ग से दिन भर जहां स्कूली छात्र छात्राओं का आना जाना लगा रहता है। वही दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले किसानों के ट्रेक्टर ट्राली भी कृषि मंडी के लिये इसी मार्ग से निकलते है इस स्थिति में यह अतिक्रमण हर वर्ग के लोगों के लिये परेशानी का कारण बनने लगा है। इस प्रकार सबसे अधिक परेशानी महिला मरीजों को होते हुये देखी जाती है जब यहां पर अतिक्रमण करते हुये बनी हुई दुकानों पर सड़क छाप मजनुओं द्वारा खड़े रहते हुये चिकित्सालय जाने वाली महिला मरीजों सहित मार्ग से निकलने वाली महिलाओं के साथ छीटाकशी करते हुये देखा जाता है। जबकि यहां पर फैल हुये अतिक्रमण को हटाने की बात को लेकर चिकित्सालय प्रभारी द्वारा भी अनुविभागीय अधिकारी से लेकर नगर पालिका प्रशासन को बीते कुछ वर्ष पहले अधिकारियों को लगातार स्मरण पत्र देते हुये अतिक्रमण हटाने की मांग की जा चुकी है। मगर इसके बाद भी आज तक यहां का अतिक्रमण न हट पाना निश्चित तौर से अनेक सबालों को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है?

बडे ही दुख की बात है कि किसी भी नेता ने गरीब के घर पहुंचकर दुख व्यक्त करना तक उचित नहीं समझा

ककरा घाट रोड़ पर रविवार को डंपर की चपेट में आये दूसरे युवक की भी हुई मौत

गाडरवारा।

क्षेत्र की सड़को पर एनटीपीसी से निकलने वाली राख लेकर दौड़ रहे भारी भरकम डम्फरों की मनमानी के चलते प्रतिदिन क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की खबर आना आम बात होती चली जा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये रविवार को समीपस्थ ककरा घाट मार्ग पर उस समय देखने मिली जब दो मजदूर वर्ग के युवा अपनी मोटर साईकिल से कही जा रहे थें उसी दौरान वह सामने से आ रहे एक भारी भरकम डम्फर की चपेट में आने के चलते जहां एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी तो दूसरा युवक अभिषेख धानक डम्फर के अंदर फंस जाने के कारण काफी समय तक जिन्दगी व मौत से जूझते हुये देखा गया। इस तरह मौके पर पहुंची हुई गाडरवारा पुलिस द्वारा बड़ी मुश्किलों के बीच डम्फर में फंसे हुये अभिषेख धानक का निकालते हुये उपचार हेतु शासकीय चिकित्सालय पहुंचाया गया था। इस तरह घायल युवक की स्थिति गंभीर होने के चलते डाक्टरों द्वारा उसे जिला चिकित्सालय रेफर किया गया था। मगर वहां से जबलपुर के लिये रेफर कर दिया गया था। इस तरह घायल अभिषेख के जबलपुर में मौत हो गई। इस तरह एनटीपीसी में राख के कारोबार से जुड़े हुये ट्राला ने जहां दो परिवारों को उजाड़ने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। क्योंकि मौके पर मृत हुये युवक यानि की दीपक धानक अपने माता पिता की चार संतानों में एक मात्र पुत्र था। वही अपने पिता की मृत्यु हो जाने के चलते उसके ऊपर अपनी तीन अविवाहित बहिनों सहित वृद्व माँ व पत्नी सहित 6 माह की मासूम बच्ची के भरण पोषण की जिम्मेदारी थी। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई दूसरे मृत युवक अभिषेख की भी बताई जाती है। सही मायने में देखा जावे तो दोनों युवक मजदूर वर्ग से होने के चलते अपने परिवार को चलाने की जिम्मेदारी निभा रहे थें। मगर इस घटना में काल के गाल समा जाने से एक साथ दो परिवार उजड़ने से नही चूक पाये है। मगर हैरत के बात है कि इनती बड़ी घटना घटित होने के बाद भी सत्ता से लेकर विपक्ष में बैठे हुये किसी भी जिम्मेदार नेता द्वारा इन गरीबों को सहायता के लिये आवाज उठाते हुये नही देखा गया है..? इस तरह बेसहारा हुये परिवार के लोग खुद ही न्याय पाने के लिये रविवार को नगर के शासकीय चिकित्सालय मार्ग के सामने वाली रोड पर रोते विलाप करते हुये जब आक्रोश व्यक्त करते हुये देखे गये तो नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा के आलवा क्षेत्र के कर्तव्य निष्ठ अनुविभागीय अधिकारी श्रीमति कलावति व्यारे, उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के आलवा गाडरवारा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना पर दुख व्यक्त करते हुये अपनी ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया गया। इस घटना को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा भी दुख प्रकट करते हुये मृतको के परिजनों को दो दो लाख रूपया की घोषणा की जा चुकी है। वही दूसरी ओर एसडीएम द्वारा अपनी ओर से भी आर्थिक मदद पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। इस तरह घटित हुई घटना के चलते जहां पूरा क्षेत्र इस समय शोक के महौल में डूबते हुये घटना पर दुख व्यक्त करने से नही चूक रहा है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि आज घटना को दो दिन का समय बीत जाने के बाद भी क्षेत्र स्तर के किसी भी जनप्रतिनिधि व नेताओं द्वारा गरीब के द्वार में पहुंचकर उसके दुख को बाटने के लिये दो शब्द बोलते हुये नही देखा गया है...?

बीते हुये पंचायतों के कार्यकाल में हुये मेढ़ बंधान योजना की मलाई से लाल पड़ हुये अधिकारियों से लेकर पंचायतों के जनप्रतिनिधियों की यदि जांच हुये तो भगवान कृष्ण की जन्म स्थली पहुंचने की संभावना से नहीं किया जा सकता है इंकार... ?

गाडरवारा। निश्चित तौर से सरकार द्वारा आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुये अनेक प्रकार की योजनाये तो बनाई जाती है। मगर उनका लाभ तिहग्राहियों को मिलने की जगह अधिकारियों के लिये दुधारू गाय साबित होने से नही चूकते है? कुछ इसी तरह की योजना मेढ़ बंधान को लेकर शुरू की गई थी मगर इस योजना का लाभ क्षेत्र के कितने किसानों को मिला यह जांच का विषय बनने से नही चूक पा रहा है? इस प्रकार की सच्चाई ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित होने वाली मेढ़ बंधान योजना में भी दिखाई पड़ रही है। बताया जाता है कि बीते हुये पंचायतों के कार्यकाल के दौरान यह योजना के तहत किसानों के खेतों पर किये जाने वाले पंचायतों द्वारा मेंढ बंधान योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहते हुए देखी देगी जा चुकी है और उसी नक्से कदम पर वर्तमान पंचातयों के कार्यकाल में भी दिखाई देने से नही चूक रहा है..? इस योजना के तहत बीते हुये पंचायतों के कार्यकाल के दौरान किये गये कार्यो की यदि निष्ठा के साथ जांच हो जाती है तो निश्चित तौर से अधिकारियों से लेकर बीते हुये कार्यकाल के जनप्रतिनिधियों को भगवान कृष्ण की जन्म स्थली के दर्शन करने के नौबत आने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस बात की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में आसानी से देखने मिल सकती है जहां पर पंचायतों द्वारा किसानों के खेतो पर जिस प्रकार से मेढ़ बंधान कार्य कराते हुए पैसा निकाला गया है? बताया जाता है कि शासन की मेढ़ बंधान के कार्यो में जमकर अनियमितातायों जानकारियाँ मिलना अब आम बात हो चुकी है। जिसकी मलाई से जहां बिदाई ले चुके पंचायतों के जनप्रतिनिधि लाल पड़ रहे है और वही दूसरी ओर अधिकारी भी काजू कतरी खाने से नही चूक रहे है? क्योंकि जहां एक तरफ शासन लाखों करोड़ों रूपये मेढ बंधान के नाम पर खर्च कर रही वही दूसरी ओर यह कार्य जनपद स्तर के अधिकारियों के सहयोग व सरपंच सचिव की कारगुजरियों के चलते यह योजना कागजों में ज्यादा शोभा बढा रही है? बताया जाता है कि बैंको में मजदूरों के भुगतान की व्यवस्था तो शासन द्वारा की गई। किंतु बैकों में ऐसे खातें भी खोले गये है जो ग्रामों के वह प्रभावशाली व संपन्न कृषक शामिल है जो कभी पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यो में जाकर खड़े तक नही होते है, किंतु बैंको में सबसे पहले भुगतान इन्ही का होता है? क्योंकि अनेक पंचायतों में अधिकारियों व ग्राहक सेवा केन्द्र के नाम पर संचालित होने वाली क्यूसक बैकों के माध्यम से पंचायतों में इसी तरह गोलमाल किये किये जाने की चर्चाए लगातार सुनााई देने से नही चूक रही है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र की अनेक पंचायतो के रिकार्ड में मेढ बंधान के कार्य व भुगतान ऐसे कृषकों के नाम पर भी दर्ज है जिनके खेतों में मेढ़ बधान का कार्य ही नही हुआ है। इतना ही नही यदि कार्यो का मूल्यांकन भी संबंधित अधिकारी मौके पर न जाकर जनपद में ही बैठकर कर रहे है? यदि मस्टर रोल में दर्ज नाम व पंचायतों की भुगतान पर्ची की निष्पक्ष जांच हो जाये तो सारी स्थिति अपने आप ही स्पष्ट हो जावेगी की किस तरह मेढ बंधान के कार्यो में बंदर बाट किया गया है जिससे बिदा ले चुके पंचायतों के सरपंचों सहित विभागीय अधिकारियों के चेहरा भी बेनकाब होने से नही बच पायेगे? यदि पंचातयों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचातयों में रोजगार गारंटी योजना के कार्यो में भी सैकड़ों की तादाद में फर्जी जाब कार्ड भरकर उन खातेदारों के खातों में राशि जमाकर बंदरबाट होने संबंधी शिकायत आये दिन ग्रामीणों द्वारा किये जाने के बाद भी जांच करने की जगह अधिकारियों द्वारा सरपंच सचिव से सीधे संपर्क कर संबंधित अधिकारी अपने स्वार्थ की रोटी सेक लेतें है? इतना ही नही जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि यदि किसी पंचायत की शिकायत हो जाती है तो अधिकारी के लिए अतिरक्त आय का दरबाजा खुल जाता है तो दूसरी ओर ऐसे प्रकरण क्षेत्र की पंचायतों में आये दिन सुनने को मिलते रहते है? क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक पंचायतों का हाल बेहाल है, जहां धनवान व सपन्न कृषक बैंको से मजदूर बन कर भुगतान ले रहे है और वास्तविक मजदूरो का शोषण हो रहा है, जिसे सही मायने में देखा जावे तो सरकार की अधिकांश योजनाएं कागजो में ज्यादा शोभा बढ़ा रही है? ऐसा नही है कि इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को नही है, यह सब पंचायती राज की लक्ष्मी लीला अधिकारियों की मिलीभगत की ही देन का परिणाम है कि साईकिलों पर सबार होकर चुनाव लड़ने वाले अनेक पंचातयों के सरपंच चंद वर्षो में स्कार्पियों पर घूमते हुए दिखाई देने लगते है, जिसके चलते शासन की राशि का अधिकारियों की मिलीभगत के चलते बंदरबांट होते हुए दिखाई देने लगा है?

पौधा रोपण के दौरान की गई अनदेखी बन रही परेशानी का कारण

गाडरवारा

नगर को हरियाली की चुनरी पहनाने के लिये अनेक समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पौधा रोपण किया जाता है उसकी निश्चित तौर से जहां सराहना होने से नही चूक पाती है। इस तरह पर्यावरण की रक्षा करने के लिये की जाने वाली पौधा रोपण की मुहिम निश्चित तौर से सराहनीय है। मगर पौधा रोपण के दौरान स्थल का चयन करने में बरते जाने वाली लापरवाही निश्चित तौर से परेशानी का कारण बनने के साथ साथ आम लोगों के जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से भी नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर में कुछ वर्ष पहले जहां तहां रोपे गये पौधा जो इस समय पेड़ बनने की ओर अग्रसर होते हुये देखे जा रहे है मगर उन पर कुल्हाडी चलाने के लिये लोगों को मजबूर होना पड़ रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन हरे भरे वृक्षों पर लोग कुल्हाडी चलाने का मन तो नही बना पाते है मगर भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना या फिर परेशानी के चलते उन्हें इस तरह का कदम उठाने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाने लगा है। क्योंकि पौधा रोपण करने वाले संस्थाओं द्वारा स्थल का चयन करने में की गई अनदेखी का परिणाम इस तरह से किया गया है कि पौधों को मुख्य नालियों के किनारे या फिर बिजली तारों के नीचे रोपित कर दिये गये है जो अब पेड़ का रूप लेते हुये एक बड़े खतरे की ओर संकेत देने के चलते उन्हें बिजली विभाग द्वारा आये दिन लाईनों के रख रखाब के दौरान मजबूर होकर काटना पड़ रहा है या फिर जिन दुकानों व घरों के सामने इस तरह के पौधा पेड़ बन कर बिजली तारों को छूने की स्थिति में पहुंचने के कारण लोगों को खुद ही कल्हाड़ी चलाने पर मजबूर कर रहे है? इस तरह पौधा रोपण किये जाने के दौरान स्थल चयन करने में की गई अनदेखी के चलते शहर की हरियाली की चुनरी पहनाने की सोच पर मजबूरी के चलते ग्रहण लगने से नही चूक पा रहा है।

सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव लोग आज भी कच्चे रास्ते के गुजरने के लिए हो रहे मजबूर

सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करते हुए उनका भला किया जा रहा है, मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक गांव आज भी पक्की सड़कों से नही जुड पाये है? लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना ने भले ही गॉव गॉव सड़को का जाल विछा दिया हो परन्तु विकासखंड सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले अनेक गॉव आज भी पक्क्ी सड़क की सुविधा से कोशो दूर दिखाइ्र पड़ रहे है, जिसके चलते लोगों को आने जाने के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, क्षेत्र के अनेक ग्रामों में पक्क्ी सड़क न होने से वर्षा काल में आवागमन दूभर हो जाता है और इन गांवों के लोग आज भी अपने आप को आज से 15 वर्ष पूर्व की स्थिति के समान महसूस करते हुए देखे जा रहे है? यहां के लोगों का कहना है कि इन ग्रामों में शीघ्र ही पक्की सड़क की सुविधा जनप्रतिनिधियों द्वारा मुहैया करायी जाये जिससे लोगों को शिक्षा स्वास्थ्य जैंसी बुनियादी सुविधाओं के लिये शहर की ओर आवागमन सुगम हो सके। बताया जाता है कि इन ग्रामों के लोगों को आज भी अपनी आवश्यकता की बस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिये सांईखेड़ा आना पड़ता है, मगर पक्की सड़क न होने से आवागमन में परेशाानी होती है साथ ही साथ इन गांवों में निवास करने वाले बच्चों का भी शिक्षा स्तर गिरता हुआ देखा जा रहा है, वही स्थिति तो गंभीर उस समय देखी जाते है तब गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने की जरूरत पड़ जाती है, क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पिछले कई सालों से वे सड़क का सपना संजोये बैठे हैं कि उनके ग्राम में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत सड़क बनेगी परन्तु उनका सपना आज भी पूरा नही हो पाया है, जिसको लेकर ग्रामीणों द्वारा जानकारी देते हुए बताया है कि लगभग एक हजार की आवादी बाले क्षेत्र के ग्राम में पक्की सड़क की सुविधा न होने से विद्याार्थियों के साथ ग्रामीणों को रोड तक आने में दिक्कतों का सामना करते है, ग्रामीण की मांग है कि जल्द ही गॉव को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जोड़ा जाये।

अधिकारियों की उदासीनता के चलते कागजों में दबकर समाप्त हो जाती है योजनाएं.....?

सांईखेड़ा। राज्य और केन्द्र शासन ने प्रदेश के विकास हेतु कई कल्याण कार्ययोजनाएं जनता के हितार्थ बना दी है कि उनकों अमलीजामा पहनाना संदिग्ध हो चला है, योजनाओं का कितना क्रियान्वयन हुआ है और क्या उसमें कमी है, इसकी सूक्ष्मता से जांच जरूरी है? क्योंकि कागजी आंकड़ों मे योजनाओं को सफल बता दिया जाता है, इसके लिए जिम्मेदार होते है नौकरशाह और अफसरशाही वर्ग जो कि नेताओं को गुमराह कर योजनाओं को नीतियों को सफल क्रियान्वयन होना तो बता देते है परंतु नतीजा शून्य ही होता है? इसकी सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचायतों में देखने मिली सकती है। जहां पर कागजो पर तो पंचायत में विकास कार्यो की गाड़ी पूरी तप्तार से दौड़ रही है, मगर सच्चाई कुछ और ही है? क्योंकि देखा जा रहा है कि प्रदेश मे पंचायतीराज, भ्रष्टाचार इर्ष्याद्वेष एवं भाई भतीजावाद के आधार पर चल रहा है,? पंचायतों के माध्यम से जिन योजनाओं के कार्य सौंपे जाते है उनमे सही एवं पात्र लोगों को लाभ न मिलकर अन्य लोगों को इसका लाभ मिल जाता है?

शहर में अनेक जगहों पर खाली पड़े हुए भूखंड की गंदगी से परेशानी, प्लाटों की पड़ताल नहीं करा रहा प्रशासन

गाडरवारा। अचल संपत्ति सहेजने की जल्द बाजी में लोंगो ने शहर में ढेरो प्लाट तो खरीद लिए हैं पर वर्षो से इन प्लाटों पर उनके द्वारा मकान न बनाने की स्थिति में ये खाली भूखंड शहरवासियों के परेशानियों का कारण बनते जा रहे है। अनेक वार्डो, कालोनियो के निवासियो ने बताया कि उनके रहवासी क्षेत्र में रिक्त प्लाटों में गंदगी के साथ साथ गंदा पानी भरा हुआ है,जिससे मच्छरों के पनपने का सिलसिला थम नहीं रहा है और ये खाली भूखंड़ आवारा जानवरों का अड्डा बनकर रह गए है। विदित हुआ है कि नगर के कई वार्डो में खाली प्लाटों की खोज खबर उनके मालिक भी नही ले रहे है, जिससे लोग इन रिक्त प्लाटों का उपयोग कचराघर की तरह कर रहे है और नगर के अधिकतर खाली भूखंड झाड झकाड़, कांच के टुकडों, पॉलीथिन की खाली थैलियो से पट गए है और वर्षो से बारिश के दिनों के दौरान होने वाला पानी भरने से विशाल गड्ढे में तब्दील होते जा रहे है। शहरवासियो का कहना है कि मकान बनाने प्लाट खरीदना बुरी बात नहीं है किन्तु लम्बी अवधि तक इन उपयोग न करना जनहित की अनदेखी करना चिंता जनक है, जिसके चलते शहर में सर्वत्र पड़े खाली प्लाटों पर जो भीषण गंदगी प्याप्त है उससे वार्डो के निवासी, राहगीर,स्कूली बच्चें तो परेशान हो ही रहे है, साथ ही नगर का रूप रंग भी बिगड़ रहा है। इस तरह खाली प्लाटों की समस्या से हलाकान लोंगो के अनुसार हालत यह है कि खाली भूखंडो के मालिकों ने अपने रिक्त प्लाटों की कीमत बढ़नें की आस में उन्हे उपेक्षित छोड़ दिया जाता है और स्वयं के प्लाटों की साफ सफाई कराने से मुंह मोड़ लिया, इसके अलावा सार्वजानिक न होने की स्थिति में नपा. के सफाई कर्मियो ने इन प्लाटों की नियमित सफाई करने से किनारा कर लिया, ऐसी स्थिति में शहर के अनेक वार्डो व कालोनियो में खाली पड़े हुए प्लाट आमजनो की मुसीबत का सबब बन गए। वही दूसरी ओर के वार्डो व कालोनियो के निवासियो ने बताया कि रिक्त पड़े हुये इन प्लाटों की शोचनीय दशा के बारे में आवाज उठाने के बाद भी सम्बंधित प्रशासन ने खाली भूखंडो के मालिको को अपने प्लाट सुरक्षित करने सचेत नही किया और न ही प्रशासन ने कभी यह पड़ताल करायी कि शहर में कितने खाली प्लाट पड़े है और उन पर किन कारणो, परिस्थितियों के चलने मकान नही बन रहे है? और किस अधिकार के तहत खाली भूखंडो के मालिक वार्डो, कालोनियो में गंदगी फैलाने की लगातार कोशिश कर रहे है, शहरवासियो ने प्रशासन से गुहार लगायी है कि शहर में खाली भूखंडो के मालिको को वह अगाह करने की पहल करें कि वे अपने गंदगी से युक्त हो रहे प्लाटो की रखवाली करें तथा उनके खाली प्लाट माहौल को प्रदूषित करने का सबब न बनें।

पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समय सीमा बैठक ली। बैठक में विभागवार संचालित योजनाओं एवं कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। उक्त बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनिल कुमार राठौर, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने आयोजित बैठक में जन अकांक्षा पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने जन अकांक्षा पोर्टल पर लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने जिले के समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी निरीक्षण के दौरान चिन्हित बिंदुओं का पालन प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करेंगे। जिले के आधारभूत संरचना को मजबूत करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती मारव्या के निर्देशानुसार शासकीय भवनों एवं कार्यालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र और छात्रावास निरीक्षण के बाद इस क्रम में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने जिले के समस्त वेयर हॉउस और पीडीएस शॉप के निरीक्षण के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम विभाग को निरीक्षण रोस्टर बनाने के लिए निर्देशित किया। रोस्टर के आधार पर जिला अधिकारी वेयर हॉउस और पीडीएस शॉप का निरीक्षण करेंगे। कलेक्टर ने नगर परिषद डिंडौरी में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए सीएमओ से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नगर परिषद में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए सुदृढ बनाकर कार्य करें। नगर की मंडी व्यवस्थित करें, पॉलिथिन के उपयोग करते पाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, कर वसूली करें, नगर में साफ-सफाई की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए सतत आवश्यक कार्यवाही करें। आंगनवाडी केन्द्रों और स्कूलों में विद्युत व्यवस्था सुदृढ करने के संबंध में कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में पेयजल की स्थिति की समीक्षा करते हुए पेयजल समस्याग्रस्त ग्रामों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जलजीवन मिशन के तहत निर्मित सभी वाटर टेंक का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। गुणवत्ता विहीन कार्य होने की स्थिति में संबंधित ठेकेदारों का भुगतान रोकने की कार्यवाही करें। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने राजस्व विभाग को वक्फ सम्पतियों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने फार्मर रजिस्ट्री, सीमांकन, राजस्व वसूली सहित अन्य राजस्व विषयों के लंबित प्रकरणों को त्वरित निपटान करने के लिए निर्देश दिए।

आगामी होली और रंगपंचमी के लिए कानून व्यवस्था की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि त्यौहार के दौरान संबंधित अधिकारी सभी क्षेत्रों में स्टॉपर लगाना सुनिश्चित करें और यातायात नियमों का पालन करवाएं। त्यौहारों के दौरान मिलावटखोरी पर एसडीएम के नेतृत्व में सीएमएचओ जांच दल बनाकर छापामार आवश्यक कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने वॉटरशेड के कार्यों का उचित रूप से क्रियान्वयन करने के लिए समिति का गठन करने का निर्देश दिए। समिति में संबंधित जनपदों के सीईओ, तहसीलदार और जल संसाधन विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। सभी संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों को दूर करने के संबंध में प्राथमिकता से कार्य करें। उन्होंने नगर में बन रही सीवर लाइन का विस्तृत निरीक्षण करने के लिए एडीएम, एसडीएम, सीएमओ और कार्यपालन यंत्री पीएचई को निर्देशित करते हुए कहा कि जांच कर सीवर लाइन के कार्य पर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर मारव्या ने अवैध उत्खनन, सार्थक एप, निर्माण कार्यों, ई-ऑफिस की प्रगति सहित अन्य मुद्दों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत निर्माणाधीन 12 आंगनवाडियों की गुणवत्ता की जांच एडीएम, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी एवं विभाग इंजीनियर की समिति कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करे। शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए चल रहे विभागीय गतिविधियों, अभियानों, सीएम हेल्पलाईन एवं समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों को संतुष्टि के साथ निराकरण कराना सुनिश्चित करें।

खबर संक्षेप

ई-ऑफिस कार्य प्रणाली का प्रशिक्षण हुआ आयोजित

डिंडौरी। कलेक्टर मारव्या ने फाइलों का संचालन ई-ऑफिस पोर्टल के माध्यम से करने के उद्देश्य से सोमवार को सभाकक्ष जनपद पंचायत डिंडौरी में प्रशिक्षण आयोजित कर अधिकारी-कर्मचारियों को ई-ऑफिस पोर्टल के क्रियान्वयन की बारीकियां सिखाईं गई। साथ ही ई-ऑफिस पोर्टल का उपयोग कर शासन की पेपरलेस अवधारणा का पालन करने के संबंध में उपयोगी जानकारी दी गई। जिले में शासकीय दफ्तरों में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली लागू करने के सिलसिले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को ई-ऑफिस पोर्टल से काम करने के लिये प्रशिक्षित किया जा रहा है। आज आयोजित पांचवे चरण के प्रशिक्षण में नगर पंचायत डिंडौरी, शहपुरा, खाद्य विभाग, महाविद्यालय, नेहरू युवा केन्द्र सहित अन्य विभागों को प्रशिक्षण दिया गया।

खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने खाद्य सामग्री का किया निरीक्षण

डिंडौरी। कलेक्टर के निर्देशानुसार आज खाद्य विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने आगामी त्यौहारों के मद्देनजर नगर के मिष्ठान भंडारों की जांच की। संयुक्त टीम ने नर्मदा पुल पार, मुड़की रोड एवं बस स्टैंड की दुकानों में खाद्य पदार्थो की एक्सपायरी डेट, खाद्य पदार्थों में मिलावट आदि बिन्दुओं की जांच की। जांच के दौरान एक दुकान पर एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री प्राप्त किए जाने पर मौके पर ही नष्ट कराया गया। निरीक्षण में खाद्य सामग्री जैसे- बूंदी, नमकीन, लड्डू आदि के सैम्पल लिए गए एवं दुकानदारों को साफ सफाई ,पैकिंग डेट, अच्छी गुणवक्ता का खाद्य पदार्थ ही वितरण करने हेतु समझाइश दी गयी। उक्त निरीक्षण के दौरान तहसीलदार आरपी मार्को, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशीष तुरकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

डिंडौरी। कलेक्टर मारव्या की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में सीएमएचओ डॉ. रमेश मरावी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्याम सिंगौर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।जिले की स्वास्थ्य संरचना के संबंध में स्वास्थ्य विभाग की संचालित गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य, उप स्वास्थ्य केन्द्र में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, उपलब्ध चिकित्सक, संस्थागत प्रसव, उपलब्ध जांच उपकरण, केन्द्रों से रेफर करने वाले मरीजों की स्थिति सहित अन्य बिन्दुओं पर ब्लॉकवार जानकारी ली कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं की पंजीयन की स्थिति, अनमोल पोर्टल, एचएमआईएस पोर्टल, कुपोषण, एनीमिया, सैम-मैम बच्चे, परिवार नियोजन कार्यक्रम की स्थिति, टीकाकरण कार्यक्रम, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग, टीबी मुक्त भारत अभियान सहित अन्य स्वास्थ्य मुद्दों की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले को प्राप्त लक्ष्य में शत प्रतिशत स्क्रीनिंग की जा चुकी है। सिकल सेल एनीमिया के तहत लक्ष्य के विरूद्ध 98.81 प्रतिशत स्क्रीनिंग की गई है। सिकल सेल एनीमिया के प्रसार को रोकने के लिए विवाह पूर्व काउंसलिंग भी की जा रही है। कलेक्टर मारव्या ने टीकाकरण, सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग के लक्ष्यों को शत प्रतिशत करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

शांति के साथ मनायें सभी पर्व

डिंडौरी।

पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह के दिशानिर्देश पर एसडीओपी कृष्ण कांत त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गिरवर सिंह उइके के नेतृत्व में डिंडौरी जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत कस्बा गोरखपुर में सोमवार को पंचायत भवन में आगामी दिनों में पड़ने वाले पर्व होली, रंगपंचमी,और रमजान को आपस में मिल जुलकर प्रेम और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने के लिए सरपंच रामेश्वरी मार्को ,सांसद प्रतिनिधि भुवनेश्वर हस्तपुरिया, समाजसेवी मिलन प्यासी मौजूदगी में स्थानीय नागरिकों के साथ शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्री उइके ने बताया कि होलिका दहन के समय विशेष सावधानी बरतते हुए कार्यक्रम का आयोजन करें खासकर बिजली तारों के नीचे व आसपास होलिका दहन न किया जाए, होली में केमिकल रहित रंगों का उपयोग करें और किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती रंग गुलाल न लगाए, तथा रास्ता रोककर जबरन चंदा न लिया जाए, इन्होंने आगे बताया कि सभी पर्व के दरमियान तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम पूर्णतया प्रतिबंधित हैं। स्थानीय नागरिकों ने सुझाव स्वरूप अपने विचार रखें इसमें सरपंच रामेश्वरी मार्को ने अव्यवस्थित यातायात और साप्ताहिक बाजार के दिन बाजार परिसर में होने वाले असुविधा के बारे में ध्यानाकर्षण कराया जबकि समाजसेवी मिलन प्यासी ने पर्व के मद्देनजर पुलिस गश्त और ध्वनि प्रदूषण को रोकने की मांग की,श्री उइके ने आश्वासन दिया कि सभी मांगों पर आवश्यक कार्रवाई कर व्यवस्था बनाया जाएगा इस दौरान भाजपा नेता अखलाक कुरैशी, शिवचरण धुर्वे, रसीद कुरैशी, सत्तार शेख, एएसआई, बालमुकुंद चैरसिया प्रधान आरक्षक शिव कुमार पुशाम,आरक्षक धनंजय पारधी सचिव गुल सिंह धुर्वे प्रदीप मोंगरे,,सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

होली और रमजान पर्व में शांति समिति की बैठक आयोजन

डिंडौरी।

थाना कोतवाली में होली और रमजान के त्योहार को ध्यान में रखते हुये शांति समिति की बैठक का आयोजन थाना परिसर में किया गया इस दौरान एसडीएम भारती मेरावी,एसडीओपी के के त्रिपाठी, तहसीलदार आर पी मार्को, कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे, यातायात प्रभारी सुभाष उईके, कनिष्ठ अभियंता विद्युत अनिल ठाकुर, सुरेंद्र शुक्ला समयपाल नगर पंचायत,पार्षद रजनीश राय, राजेश पाराशर, रीतेश जैन, भगीरथ उरैती, हर्षवर्धन कटारे,शेख शफीक,कान्हा प्रश्नानी सहित नागरिक उपस्थित रहे।बैठक में होलिका दहन रात्रि 10 बजे तक अनिवार्य रूप से करने पर सहमति बनी है। वहीं पर्व के दौरान नशा करने वालों और हुडदंग करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी पुलिस ने दी है। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम भारती मेरावी ने कहा कि पर्व के दौरान डीजे का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर साउंड सिस्टम को धीमी आवाज में उपयोग करने और इस बाबत पूर्व में अनुमति लेने की जानकारी भी दी है। बैठक में एसडीओपी के के त्रिपाठी ने सावधानी के तौर पर फसल के आसपास, बिजली के तार के नीचे और डामर रोड पर होलिका दहन नहीं करने की सलाह दी है।उन्होंने धुरेड़ी और पंचमी के दिन नवाज के समय रंग खेलने के दौरान इतिहात बरतने, जबरदस्ती रंग नहीं लगाने, कीचड़, डामर,जले इंजन ऑयल के उपयोग नहीं करने की सलाह देते हुए चंदा वसूली की शिकायत पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने पर्व पर अति आवश्यक सेवा जैसे एंबुलेंस,फायर ब्रिगेड दूध,सब्जी, अखबार विक्रेताओं के कार्यों में व्यवधान पैदा करने पर भी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। बैठक में तहसीलदार आर पी मार्को ने केमिकल रंग के उपयोग नहीं करने की नसीहत दी है। इस दौरान कोतवाली प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे और यातायात प्रभारी सुभाष उईके ने शराबी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करने कहा है। उन्होंने पर्व के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित मजाकिया और भ्रामक अफवाह पर ध्यान नहीं देने के साथ शांति और सौहार्द से पर्व मनाने की अपील की है।

आशा, ऊषा, आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा का हल्ला बोल

वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान कराने प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

भेदभावपूर्ण तरीके से आशा एवं पर्यवेक्षकों का वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान रोके जाने के विरोध में संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर आज 10 मार्च को आयोजित प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

डिंडौरी न्यूज।

मुख्यमंत्री के निर्देश में 29 जुलाई 2023 को भोपाल में विभागीय एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति तथा हजारों आशा एवं पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में आयोजित महा सम्मेलन में मुख्यमंत्री द्वारा आशा एवं पर्यवेक्षकों के लिये 1,000 रुपये का वार्षिक वेतन वृद्धि की घोषणा की गई थी, एवं 2 अगस्त 2023 को इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा विधिवत आदेश जारी किया गया था। लेकिन लम्बे समय गुजरने के बाद भी इसका भुगतान नही किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के घोषणा का लगभग 2 वर्ष होने को है इसके बावजूट विभाग एवं सरकार आशा एवं पर्यवेक्षकों के वार्षिक वेतन वृद्धि के भुगतान को भेदभावपूर्ण तरीके से रोका जा रहा है। आशा ऊषा आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा मध्य प्रदेश द्वारा बार बार ज्ञापन देने के बावजूद आशा एवं पर्यवेक्षकों के वार्षिक वेतन वृद्धि के भुगतान हेतु कोई कदम नहीं उठाया जाना बेहद अन्यायपूर्ण है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की आंगनवाडी कर्मियों के लिये भी इसी तरह वार्षिक वेतन वृद्धि का घोषणा किया था उन्हें जुलाई 2024 से 1,000 रुपये वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान किया जा रहा है, लेकिन वार्षिक वेतन वृद्धि के मामले में दोनों का समान घोषणा होने के बाद भी सरकार एवं विभाग आशा एवं पर्यवेक्षकों के वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान को रोक कर रखा जा रहा है। आशा एवं पर्यवेक्षकों के प्रति सरकार एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश द्वारा की जा रही उपेक्षा से प्रदेश भर की आशा एवं पर्यवेक्षकों में भारी असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त है। आशा ऊषा आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा मध्य प्रदेश द्वारा सरकार के इस रवैये के खिलाफ विधानसभा सत्र के प्रथम दिन आज 10 मार्च 2025 को प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करते हुये यह मांग करते है कि भेदभावपूर्ण रवैया समाप्त कर आशा एवं पर्यवेक्षकों का 1,000 रुपये का वार्षिक वेतन वृद्धि का तुरन्त भुगतान कराया जावे एवं अन्य मांगों का निराकरण किया जावे ,मुख्यमंत्री द्वारा 29 जुलाई 2023 को किये गये घोषणा एवं 6 सितम्बर 2023 को इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुरूप, आंगनवाडी की तरह आशा एवं पर्यवेक्षकों का 1000 रुपये वार्षिक वेतन वृद्धि का जुलाई 2024 से एरियर्स सहित तुरन्त भुगतान किया जावे। आशाओं का वेतन का प्रत्येक माह की 5 तारीख तक, बिना कटौती के नियमित रूप से भुगतान करने का निर्णय को सख्ती से लागू किया जावे। आशा एवं पर्यवेक्षकों के सभी बकाया राशियों का भुगतान किया जावे। प्रत्येक आशा एवं पर्यवेक्षकों के उनके आर्जित प्रोत्सहन राशि, भुगतान किये जाने वाली राशि एवं बकाया राशि अ का विवरण अंकित वेज स्लिप (वेतन पर्ची) प्रदान किया जावे, ताकि आशाओं के प्रोत्साहन राशि का भुगतान पारदर्शिता सुनिश्चित किया जा सके।मांगो को लेकर आज मध्यप्रदेश में बड़ा प्रदर्शन करते हुए आशा ऊषा आशा सहयोगी संयुक्त मोर्चा ने मांगों को जल्द पूरी किए जाने समस्त जिला मुख्यालय में ज्ञापन सौंपा गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर हुआ संपन्न

डिंडौरी।

उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के आदेशानुसार संस्था प्रमुख संदीप सिंह के निर्देशन में गोदग्राम रामगढ़ में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न हुआ। शिविर के अंतिम दिन उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं इंटरनेट की उपयोग एवं दुरुपयोग पर स्वयंसेवकों द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। दल नायिका कृतिका बर्मन द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात अमरकंटक अनूपपुर में आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय एनएनएस शिविर में सम्मिलित स्वयंसेवक हिमेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा ने अपने अनुभव उपस्थित सभी के समक्ष प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य संदीप सिंह, देव प्रकाश उइके एवं डॉ. सीमा सस्त्या, डॉ. सुनील काकोडिया एवं कार्यक्रम प्रभारी रूपेंद्र वरकड़े ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत कर एनएनएस विशेष शिविर एवं सम्बंधित विभिन्न गतिविधियों की उपयोगिता एवं विद्यार्थी जीवन में इसकी आवश्यकता को समझाया। इस सात दिवसीय शिविर में विभिन्न सकारात्मक गतिविधियां स्वच्छता, स्वास्थ जागरूकता, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, बौद्धिक चर्चा, योग अभ्यास, ध्यान, विकसित भारत विजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिससे स्वयंसेवकों में नेतृत्व करने की क्षमता, बौद्धिक विकास, सकारात्मक ऊर्जा का उदय हो। समापन के अवसर पर महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी रूपेंद्र वरकड़े ने उपस्थित सभी का आभार दिया एवं स्वयंसेवकों से आने वाले समय में इसी तरह सहभागिता करते रहने की अपेक्षा करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान कर इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिविर का सफल समापन किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर हुआ संपन्न

अमरपुर। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के आदेशानुसार संस्था प्रमुख संदीप सिंह के निर्देशन में गोदग्राम रामगढ़ में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर संपन्न हुआ। शिविर के अंतिम दिन उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं इंटरनेट की उपयोग एवं दुरुपयोग पर स्वयंसेवकों द्वारा वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। दल नायिका कृतिका बर्मन द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात अमरकंटक अनूपपुर में आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय एनएनएस शिविर में सम्मिलित स्वयंसेवक हिमेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा ने अपने अनुभव उपस्थित सभी के समक्ष प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य संदीप सिंह, देव प्रकाश उइके एवं डॉ. सीमा सस्त्या, डॉ. सुनील

काकोडिया एवं कार्यक्रम प्रभारी रूपेंद्र वरकड़े ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत कर एनएनएस विशेष शिविर एवं सम्बंधित विभिन्न गतिविधियों की उपयोगिता एवं विद्यार्थी जीवन में इसकी आवश्यकता को समझाया। इस सात दिवसीय शिविर में विभिन्न सकारात्मक गतिविधियां स्वच्छता, स्वास्थ जागरूकता, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, बौद्धिक चर्चा, योग अभ्यास, ध्यान, विकसित भारत विजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिससे स्वयंसेवकों में नेतृत्व करने की क्षमता, बौद्धिक विकास, सकारात्मक ऊर्जा का उदय हो। समापन के अवसर पर महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं सभी स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम प्रभारी रूपेंद्र वरकड़े ने उपस्थित सभी का आभार दिया एवं स्वयंसेवकों से आने वाले समय में इसी तरह सहभागिता करते रहने की अपेक्षा करते हुए प्रमाण पत्र प्रदान कर इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिविर का सफल समापन किया।

खबर संक्षेप

जहरीली दवा का किया सेवन, हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के सिहोरा चैकी अंतर्गत सुजवारा निवासी कमोद सिंह पिता चतुर सिंह चैधरी उम्र 45 वर्ष ने अपने ही घर में जहरीली दवा का सेवन कर लिया था जिसे नरसिंहपुर जिला अस्पताल उपचार के लिए लाया गया था वही जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया वहीं आज अस्पताल चैकी पुलिस ने शव का पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग प्रकरण कायम कर पोस्टमार्टम करा कर सब परिजनों को सौंप दिया है।

नीलेश पचौरी ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एक समय बेहतरीन क्रिकेटर रहे नीलेश पचौरी ने अपने निवास पर आत्महत्या कर ली। घटना बीती रात की बताई गई है। उन्होंने अपने ही घर पर फांसी लगा ली। परिचित बताते हैं कि वह लंबे समय तक भोपाल में रहे। फिर कुछ दिनों से नरसिंहपुर में ही रह रहे थे और डिप्रेशन के शिकार हो गए थे।

कक्षा 5वीं और 8वीं के मूल्यांकन का कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विकासखंड नरसिंहपुर में डाइट स्तर पर चल रहे मूल्यांकन कार्य में कुल 32998 उत्तर पुस्तिकाओं में कक्षा पांचवीं की कुल उत्तरपुस्तिकाएं संख्या 12042 एवं आठवीं की कुल उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या 20956 में से 25 प्रतिशत मूल्यांकन कार्य अभी तक हो चुका है। मूल्यांकन केंद्र पर पांचवीं के 186 मूल्यांकन कर्ता एवं आठवीं के 128 मूल्यांकन कर्ताओं द्वारा मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है जो 7 मार्च से 17 मार्च तक मूल्यांकन की निर्धारित तिथि है लेकिन सर्वर की तकनीकी परेशानी के कारण प्राप्तांकों की प्रविष्टि में समय लग सकता है। मूल्यांकन केंद्र प्रभारी डाइट प्राचार्य मूल्यांकन केंद्र अध्यक्ष प्राचार्य एस खान, सहायक केंद्र अध्यक्ष कक्षा पांचवी व्याख्याता जीएल उप्रैलिया, कक्षा आठवीं व्याख्याता संजय शर्मा, स्ट्रांगरूम प्रभारी व्याख्याता श्रद्धा शुक्ला, आरके यादव सहित बीआरसी ओपी राय, बीएसी, जन शिक्षक, मूल्यांकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन कार्य किया जा रहा है।

पेयजल संकट की सतत निगरानी के लिए कंट्रोल स्थापित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्रीमष्काल में संभावित पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंपों के खराब होने व जल स्तर में गिरावट के कारण पेयजल संकट निवारण की सतत निगरानी के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नरसिंहपुर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 0779-230210 है। नियंत्रण के प्रभारी आशीष नेमा का मोबाइल नंबर 6263009411 है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड नरसिंहपुर ने उक्त कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्राप्त होने वाली शिकायतों की प्रवृष्टि कंट्रोल रूम के पंजी में करेंगे और इसकी जानकारी तत्काल संबंधित उपखंडों के सहायक यंत्री उपयंत्री को आवश्यक कार्यवाही के लिए दूरभाष पर सूचित करेंगे। संबंधित सहायक यंत्री उपयंत्री प्रकरण में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही तथा शिकायत का सार्थक निराकरण कर स्थापित कंट्रोल रूम को सूचित करेंगे और कंट्रोल रूम में संधारित पंजी में निराकरण की प्रविष्टि करेंगे। उक्त कर्मचारियों को पूर्व में सौंपे गये दायित्व के अतिरिक्त है, जिसका निर्वहन उनके लिये अनिवार्य होगा।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न

जिले में होली के दौरान शराब का सेवन और अवैध बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी

डीजे संचालन पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा

लोगों से जबरन चंदा वसूली नहीं हो

जबरन रंग-गुलाल नहीं डालें

नर्मदा नदी तट पर होमगार्ड बल तैनात हो

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में 13 मार्च को होलिका दहन, 14 मार्च को धुरेड़ी एवं 19 मार्च को रंगपंचमी का त्यौहार मनाये जाने को लेकर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में बताया गया कि होलिका ऐसे स्थान पर रखी जावे, जहां आम जनता का आवागमन प्रभावित न हो और विद्युत तार न हो। परम्परागत स्थल पर ही होलिका दहन का आयोजन किया जावे। समिति सदस्यों ने सुझाव स्वरूप कहा कि होलिका दहन रात्रि 11 बजे तक करा लिया जायें। लोगों से जबरन चंदा वसूली नहीं हो। किसी अनजान या अजनवी व्यक्ति पर जबरन रंग- गुलाल नहीं डालें और ना ही ज्वलनशील रंगों, पेस्टों, गोबर, कीचड़ का उपयोग करें।

आम जनता से अपील की गई है कि वे बाजार से केमिकल रहित रंग खरीदकर उसका उपयोग करें। दो एवं चार पहिया वाहनों पर निर्धारित क्षमता से अधिक व्यक्तियों को नहीं बिठायें एवं इस दौरान किसी भी व्यक्ति को अपशब्दों का प्रयोग नहीं करें। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग अनुविभागीय दंडाधिकारियों की अनुमति के बगैर नहीं किया जावे। बोर्ड परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए लाउड स्पीकर संचालकों को सख्त हिदायत दी जायेगी कि उनके द्वारा सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का अक्षरश पालन किया जाये। डीजे संचालन पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि नगर पालिका व नगर परिषद फायर बिग्रेड मय चालक व दल के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में उपलब्ध रहे। शांति समिति के सदस्यों ने सुझाव स्वरूप कहा कि सड़क मार्गों के समीप ढाबों आदि में लोगों द्वारा उत्पाद व मारपीट न हो और शराब आदि का भी विक्रय न हो इसके लिए पेट्रोलिंग टीम तैनात रहे। इस दौरान लोगों के नर्मदा नदी तट पर जाने, नहाने आदि से अप्रिय हादसे होते हैं, इसके लिए होमगार्ड बल तैनात हो। अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने नहीं दें। पुलिस अधीक्षक ने शांति समिति के सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले में होली के दौरान शराब का सेवन और अवैध बिक्री पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और असामाजिक तत्वों द्वारा गलत गतिविधियां किए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी एसडीएम और एसडीओपी अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक का आयोजन भी करेंगे।

जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्यगणों ने कहा कि जिले की यह परम्परा रही है कि यहां सभी त्यौहार व पर्व आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाये जाते हैं। कलेक्टर एवं एसपी ने शांति समिति सदस्यों को आगामी त्योहारों की बधाई देते हुए जिले में चाक- चैबंद व्यवस्था बनाये रखने की बात कही। शांति समिति के सदस्यों ने भी आश्वस्त करते हुए कहा कि जिले में शांति एवं सौहार्द की परम्परा कायम रही है, जो आगे भी इसी तरह कघयम रहेगी। सभी त्योहार आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाये जायेंगे।

बैठक में पं. रामस्नेही पाठक, मैथिलीशरण तिवारी, नरेन्द्र राजपूत, विनय जैन, अब्दुल हकीम खान, गुड्डू मालगुजार, किशन गुप्ता, मो. इमरान कुरैशी, शमशाद खान, मुंशी शेख, प्रताप सिंह गुमास्ता, एसडीएम, एसडीओपी, थाना प्रभारी, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी और शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

पत्रकार के साथ खनिज अधिकारी द्वारा मारपीट को लेकर पत्रकारों में आक्रोश

खनिज अधिकारी पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्यवाही किये जाने की माँग

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सागर के पत्रकार मुकुल शुक्ला द्वारा खनिज अधिकारी अमित पंड्या से एक समाचार को लेकर पूछी गई जानकारी के एवज में उनके साथ खनिज अधिकारी द्वारा मारपीट व अभद्रता की गई साथ ही उन पर फर्जी प्रकरण भी दर्ज कराया गया। जिसे लेकर पत्रकारों में आक्रोश है। इसी श्रंखला में नरसिंहपुर जिले के पत्रकारों ने भी श्रीमती शीतला पटले जिला कलेक्टर नरसिंहपुर के माध्यम से राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन सौंपकर पीड़ति पत्रकार मुकुल शुक्ला को सुरक्षा दिये जाने एवं आरोपी खनिज अधिकारी पर शीघ्र ही प्राथमिकी दर्ज कर ठोस कार्यवाही किये जाने की माँग की है। साथ ही पत्रकारों की माँग है कि दोषी खनिज अधिकारी को तत्काल बर्खास्त किया जाए और उक्त मामले में पत्रकार की साक्ष्य सहित शिकायत पर लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारी पर भी कार्यवाही की जावे। ज्ञापन सौंपते समय नगर के समस्त पत्रकार साथी मौजूद रहे, यदि समय रहते मांगो पर कार्रवाई नहीं की जाती तो आगामी समय में पत्रकार आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक सम्पन्न

संभावित पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक तैयारियां करें- कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई बैठक में समय सीमा पत्रों और सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि समय सीमा के पत्रों का निराकरण तत्परता से किया जायें। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने फरवरी माह में प्राप्त हुई शिकायतों, निराकरण और लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। 9 मार्च की स्थिति में खाद्य, स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग डी कैटेगिरी में शामिल होने पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपनी ग्रेडिंग में सुधार लायें। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, नगरीय निकायों के सीएमओ और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आपसी समन्वय से एम- राशन मित्र की आईडी सेल्समैन के द्वारा एक्टिवेट करवालें और इनके वेरिफिकेशन का काम सचिव और वार्ड प्रभारी के माध्यम से करायें। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि समस्त विभाग प्रमुख अपने विभाग से संबंधित शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्राप्त लक्ष्य की पूर्ति समय सीमा में सुनिश्चित करें। सभी विभाग प्रमुख इन योजनाओं का व्यापक प्रचार- प्रसार सुनिश्चित करें। उन्होंने राजस्व विभाग के अंतर्गत राजस्व वसूली और फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को पूरा करने के लिए प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित करने के निर्देश बैठक में दिये। इसके लिए राजस्व विभाग के अधीनस्थ अमले के साथ मॉनीटरिंग कर इन कार्यों में प्रगति लायें। जिले में बोर्ड परीक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए बनाये गये फ्लाईंग स्क्वाड परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण गंभीरता से करें। आशा कार्यकर्ता घर- घर जाकर लोगों को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रेरित करें। नागरिकों को आधार संबंधी अपडेट और नया आधार बनाने के लिए आधार सेवा केन्द्रों में वर्तमान में आधार मशीन चालू हो गई हैं। जिले की सांईखेड़ा बीआरसी जनपद पंचायत कार्यालय में दो, चांवरपाठा बीआरसी कार्यालय में दो, चीचली बीआरसी कार्यालय में एक, करेली बीआरसी कार्यालय में एक, नरसिंहपुर बीआरसी कार्यालय में एक आधार मशीन वर्तमान स्थिति में चालू हो गई हैं।बैठक में संबंधित विभागों के विभाग प्रमुख मौजूद थे।

पिकअप वाहन और बाइक की भिड़ंत, मोटर साइकिल सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के स्टेशन गंज थाना की सिंहपुर चैकी अंतर्गत पीपरपानी निवासी सत्यनारायण पिता कन्हैया लाल ठाकुर उम्र 45 वर्ष को लालपुल के सामने से आ रही पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल की टककर हो गई। वही सामने से आ रही तेजरफ्तार पिकअप ने बाइक सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई और 1033 एंबुलेंस की मदद से उसे जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया वहीं अस्पताल चैकी पुलिस ने शव का पंचनामा कार्यवाही कर मर्ग प्रकरण कायम कर पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया हैं।

आरती पटेल एवं विनीत राय को मिला इफको संकट हरण बीमा योजना का लाभ

कलेक्टर ने पीड़ित परिजनों को सौंपा 2-2 लाख रु का चेक

सिवनी के ग्राम बजरवाड़ा के कृषक रामकुमार पटेल एवं ग्राम पौड़ी के कृषक सतीश राय की कुछ समय पूर्व विद्युत करंट लगने से असामयिक मृत्यु हो गई थी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

उक्त कृषकों के द्वारा इफको नैनो उर्वरक एवं रासायनिक उर्वरक अपने क्षेत्र की समिति बीसाबाड़ी सेवा सहकारी समिति से क्रय किया गया था। समिति प्रबंधक श्री रितेश कुमार राय के संज्ञान में आया कि क्षेत्र के दो कृषकों की दुर्घटनावश असामयिक मृत्यु हो गई है ,उन्होंने तत्काल इफको क्षेत्र अधिकारी श्री अनिल बिरला जिला सिवनी को उक्त घटना की सूचना दी। जिससे कृषकों के हितग्राही आरती पटेल एवं विनीत राय को इफको संकट हरण बीमा योजना के अंतर्गत 2-2 लाख रुपए का लाभ दिलाया। इस अवसर पर उपसंचालक कृषि श्री मोरिश नाथ, श्री के के सोनी महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक सिवनी, श्री संतकुमार राजपूत इफको, श्री अनिल बिरला क्षेत्र अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इफको द्वारा इस योजना का लाभ उन किसान परिवारों को ऐसी आकस्मिक दुर्घटना में सहयोग प्रदान करता है जिनके द्वारा पूर्व में इफको का रासायनिक उर्वरक नैनो उर्वरक किसी भी सहकारी समिति, इफको बाजार, संस्थाएं से क्रय करने पर संबंधित किसान का बीमा निशुल्क स्वतः ही हो जाता है।

कनक एजुकेशन वेलफेयर फाउंडेशन के तहत नारी शक्ति सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। 8 मार्च शनिवार को विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिले के अंतर्गत उप तहसील उगली के सामुदायिक मंगल भवन में कनक फाउंडेशन के अंतर्गत नारी शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उगली क्षेत्र अंतर्गत समाज को समर्पित महिलाएं राजनीतिक वर्ग, किसान वर्ग, व्यापार वर्ग, हाउसवाइफ, कर्मचारी वर्ग सभी वरिष्ठ महिलाएं जिनका समाज उत्थान के लिए कहीं ना कहीं अविस्मरणी योगदान रहा है,उन सभी को सम्मानित किया गया।

राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर से आये विद्यार्थियों का हुआ महाविद्यालय में स्वागत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। लखनादौन। मेरा युवा भारत एवं डिजिटल साक्षरता के लिये युवा थीम के परिप्रेक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर जो अमरकंटक जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश में 2 से 8 मार्च 2025 तक आयोजित किया गया।

अपेक्षा के अनुरूप नहीं निकल रही उपज मसूर ने दिया घाटा

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा एवं आस पास ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न फसलों की कटाई कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। अचानक बदलें मौसम के मिजाज से तेज धूप के चलते कुछ फसलें समय के पूर्व ही पकनी शुरू हो गई है।वही बीच-बीच में अधिक वारिस पानी और कोहरे के कारण फूल वाली फसलों को नुकसान हुआ है। क्षेत्रीय कृषकों का कहना है कि अपेक्षाकृत स्थिति में फसलें नहीं निकल पा रही है।

मसूर ने फिर दिया घाटा

मसूर फसल की बुबाई के कुछ समय बाद किसानों ने फसल में पानी दिया ही था कि अचानक मौसम नहीं पल्टी मार दी थी पानी के ऊपर हुए पानी के कारण अंकुरित मसूर की फसल पीली पड़ने के साथ साथ एक बहुत बड़े क्षेत्र में खराब होने की स्थिति में नष्ट हो गई थी। जहां शेष बची थी उसे कोहरे ने फूल के माध्यम से बर्बाद कर दिया था।जिन क्षेत्रों में फसल सुरक्षित बची वहां भी फसल अपेक्षाकृत स्थिति में झार नहीं दे रही है।यही स्थिति अरहर की भी देखने को मिल रही है। कृषकों का कहना है कि इस बार फसल अपेक्षाकृत नहीं निकल पा रही है। कुछ क्षेत्रों में कृषकों ने गन्ना फसल के रकबे को बढ़ा दिया है।

करों की अदायगी में सजग नहीं है उपभोक्ता

358 उपभोक्ताओं पर बकाया है 7162884 रुपए

तेंदूखेड़ा। नगर परिषद तेंदूखेड़ा में कर्मचारियों को हर माह वेतन भुगतान को लेकर एक गंभीर समस्या बनीं हुई है। जिसके पीछे उपभोक्ताओं द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न करों की समय पर अदायगी नहीं किया जाना भी एक कारण बना हुआ है। वहीं विभिन्न योजनाओं के तहत लिये गये ऋणों की किस्त अदायगी और बिजली बिलों का भुगतान ही इतना हो जाता है कि करों से पूरी नहीं हो पाती है। विगत दिनों सफाई कर्मचारियों के साथ अन्य कर्मचारियों को पिछले तीन से माह तक का वेतन भुगतान ना होने के कारण कर्मचारी सड़कों पर उतरने मजबूर हो गए थे।8 मार्च को संपन्न हुई नेशनल लोक अदालत में नगर परिषद के बकाया दारों का जो आंकड़ा निकलकर सामने आया था उसके अनुसार लगभग 358 उपभोक्ताओं पर 71 लाख 62 हजार 884 रुपए शेष है। इसमें संपत्ति कर के 105 उपभोक्ताओं पर 54 लाख 63 हजार 270 रुपए 236 जलकर उपभोक्ताओं पर 13 लाख 62 हजार 70 रुपए तथा 17 दुकान दारों 3 लाख 37 हजार 604 रुपए शेष है। इसके अतिरिक्त परिषद् द्वारा अन्य मदों से भी कर वसूली की जाती है।समय पर करों का भुगतान होने से जहां भुगतान होते रहते हैं वहीं कर्मचारियों का भी वेतन भुगतान समय पर होता रहता है।